एम.फिल. तुलनात्मक धर्म एवं दर्शन
प्रवेश परीक्षा हेतु पाठ्यकम
(सत्र 2018–19 से मान्य)

1. गीता का नीति शास्त्र–स्वधर्म, लोक संग्रह, निष्काम कर्मयोग, योग के विविध रूप–ज्ञान, भक्ति एवं कर्म ।
   जैन दर्शन– पंचमहाव्रत, बौद्व–अष्टांग पथ, मोक्ष मार्ग; पुरूषार्थ ।
2. योग सूत्र; अष्टांग योग; षटकर्म–धौति, वस्ति, नेति, नौली, त्राटक, कपाल भाति की विधि व लाभ; मुद्रा एवं बंध ।
3. अजीर्ण, पीलिया, कोष्ठबद्धता, अम्ल पित्त, उच्च व निम्न रक्त दाब, साइटिका, आर्थराइटिस व वात रोगों के लक्षण, योगिक निदान ।
4. प्रमा–अप्रमा, स्वतः प्रामाण्य एवं परतः प्रामाण्यवाद, ख्यातिवाद, सत्य के सिद्धांत, पाश्चात्य मत–संवादिता, संसक्तता, फलवाद।
5. अद्वैत वेदांत–परमसत् ब्रह्म, जगत, माया, मोक्ष, सांख्य दर्शन–पुरूष प्रकृति, विकासवाद।
6. आधुनिक जीवन शैली में योग की प्रासंगिकता, आसनों में वैज्ञानिकता, प्राणशक्ति के पांच स्वरूप, रोगोपचार में प्राणायाम की उपादेयता, चित्त भूमियॉ, चित्त वृत्ति, पंचकोश।
7. गांधी दर्शन–अहिंसा, सत्याग्रह। राधाकृष्णन–धर्म का स्वरूप
   विवेकानन्द–राजयोग, व्यावहारिक वेदांत, सार्वभौमिक धर्म। श्री अरविन्द का विकासवाद।
8. धर्म की परिभाषा, धर्म तथा रिलीजन में अंतर, धर्म की उत्पत्ति के सिद्धांत
   ईश्वर का स्वरूप, ईश्वर के अस्तित्व में प्रमाण–भारतीय एवं पाश्चात्य, आस्तिक एवं नास्तिक, ईश्वर, अनीश्वरवाद, अशुभ की समस्या, ईसाई और इस्लाम धर्म का सामान्य परिचय।

14/06/18
Member

14-6-18
Member

14-6-18
Member

14.6.18
Chairman